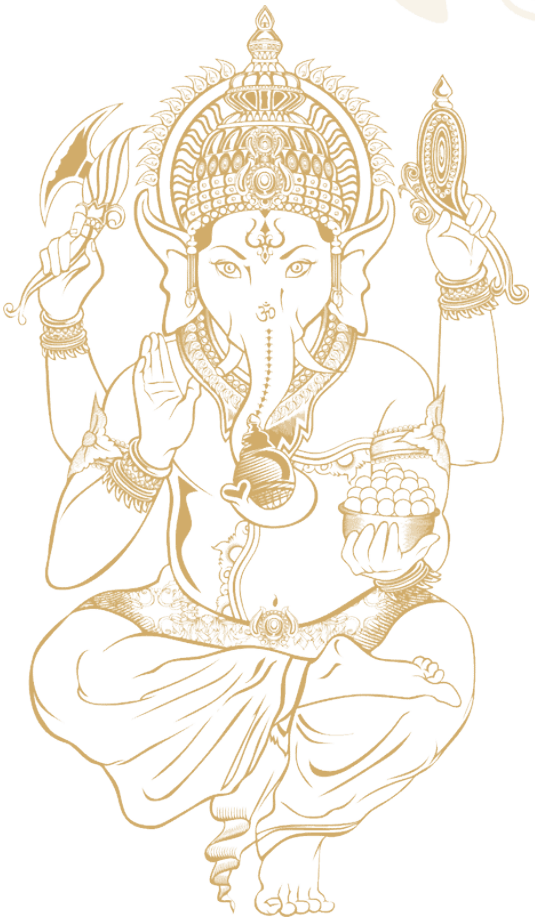

Mr.

30 Oct 2014

07:42 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121599620

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/10/2014**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:42:00 घंटे**
इष्ट	34:24:32 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:52:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:22 घंटे
साम्पातिक काल	22:28:04 घंटे
सूर्योदय	05:56:11 घंटे
सूर्यास्त	17:09:27 घंटे
दिनमान	11:13:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	13:00:45 तुला
लग्न के अंश	25:37:14 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शूल
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	25:37:14	347:14:35	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			तुला	13:00:45	00:59:58	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			मक	06:07:53	14:04:01	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल			धनु	09:00:21	00:44:36	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			कन्या	24:40:08	00:46:43	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु			कर्क	26:11:20	00:06:54	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	उच्च राशि
शुक्र		अ	तुला	14:21:33	01:15:13	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	29:38:42	00:06:57	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
राहु	व		कन्या	25:03:52	00:00:34	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	25:03:52	00:00:34	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	19:33:41	00:02:10	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	10:48:39	00:00:33	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो			धनु	17:17:18	00:01:07	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	11:07:21	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:55

लग्न-चलित

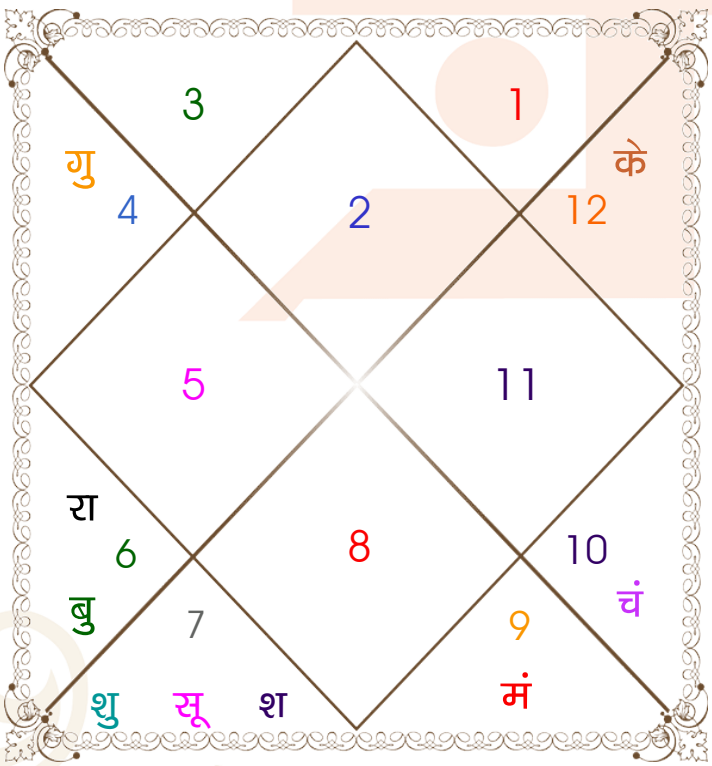

चन्द्र कुंडली

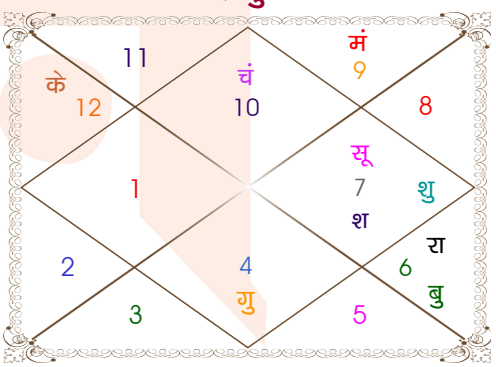

नवमांश कुंडली

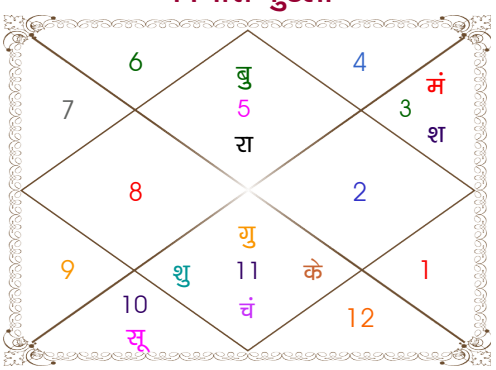

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 8 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/10/2014		27/07/2016		28/07/2026		27/07/2033		28/07/2051	
27/07/2016		28/07/2026		27/07/2033		28/07/2051		28/07/2067	
	00/00/0000	चंद्र	28/05/2017	मंगल	24/12/2026	राहु	09/04/2036	गुरु	14/09/2053
	00/00/0000	मंगल	27/12/2017	राहु	11/01/2028	गुरु	02/09/2038	शनि	27/03/2056
	00/00/0000	राहु	28/06/2019	गुरु	17/12/2028	शनि	09/07/2041	बुध	03/07/2058
	00/00/0000	गुरु	27/10/2020	शनि	26/01/2030	बुध	27/01/2044	केतु	09/06/2059
	00/00/0000	शनि	28/05/2022	बुध	23/01/2031	केतु	13/02/2045	शुक्र	07/02/2062
	30/10/2014	बुध	27/10/2023	केतु	21/06/2031	शुक्र	14/02/2048	सूर्य	26/11/2062
बुध	22/03/2015	केतु	27/05/2024	शुक्र	21/08/2032	सूर्य	08/01/2049	चंद्र	27/03/2064
केतु	28/07/2015	शुक्र	26/01/2026	सूर्य	26/12/2032	चंद्र	09/07/2050	मंगल	03/03/2065
शुक्र	27/07/2016	सूर्य	28/07/2026	चंद्र	27/07/2033	मंगल	28/07/2051	राहु	28/07/2067

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/07/2067		28/07/2086		29/07/2103		29/07/2110		29/07/2130	
28/07/2086		29/07/2103		29/07/2110		29/07/2130		00/00/0000	
शनि	31/07/2070	बुध	23/12/2088	केतु	25/12/2103	शुक्र	27/11/2113	सूर्य	15/11/2130
बुध	09/04/2073	केतु	21/12/2089	शुक्र	23/02/2105	सूर्य	27/11/2114	चंद्र	17/05/2131
केतु	19/05/2074	शुक्र	20/10/2092	सूर्य	01/07/2105	चंद्र	28/07/2116	मंगल	22/09/2131
शुक्र	18/07/2077	सूर्य	27/08/2093	चंद्र	30/01/2106	मंगल	27/09/2117	राहु	15/08/2132
सूर्य	30/06/2078	चंद्र	26/01/2095	मंगल	28/06/2106	राहु	27/09/2120	गुरु	04/06/2133
चंद्र	30/01/2080	मंगल	24/01/2096	राहु	17/07/2107	गुरु	29/05/2123	शनि	17/05/2134
मंगल	09/03/2081	राहु	12/08/2098	गुरु	22/06/2108	शनि	29/07/2126	बुध	31/10/2134
राहु	14/01/2084	गुरु	18/11/2100	शनि	31/07/2109	बुध	29/05/2129		00/00/0000
गुरु	28/07/2086	शनि	29/07/2103	बुध	29/07/2110	केतु	29/07/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 8 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।